

## कोरोना की तीसरी लहर देखते हुए विक्रम ने तैयार किये :- आरोग्य मित्र

माननीय कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार पांडे जी के आवाहन पर विश्वविद्यालय की अध्ययन शालाओं द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने हेतु कोविड हेल्प डेस्क का गठन किया गया। जिसके अन्तर्गत कम्प्यूटर विज्ञान संस्थान द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य समाज में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों को आरोग्य मित्र के रूप में तैयार कर, समाज में अपनी भागीदारी के द्वारा कोरोना से बचाव के उपायों का प्रचार करना था।

कार्यक्रम का आयोजन कम्प्यूटर विज्ञान संस्थान विक्रम विश्वविद्यालय के तत्वाधान में दिनांक 6 जनवरी को कोविड हेल्पडेस्क समिति के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसके संयोजक डॉ. प्रशांत पौराणिक, कुलसचिव, विक्रम विश्वविद्यालय एवं सदस्य श्री शेखर दीसावल थे।

संस्था के प्रभारी निदेशक डॉ कमल बुनकर द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अतिथियों का परिचय विस्तृत रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार जी पांडे द्वारा की गयी। आपने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों एवं शिक्षकों से आग्रह किया कि कोरोना के प्रति अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही साथ आपने अन्य गतिविधियों को जैसे वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर की पहल पर भी विचार व्यक्त किए। आपने सभी छात्रों एवं शिक्षकों से आग्रह किया कि अपने जन्मदिन पर एक पौधा अपने परिसर में लगाए एवं उसकी देखरेख करें।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ प्रज्ञान त्रिपाठी एमडी आयुर्वेद, निदेशक नर्मदे आयुर्वेदम थे। आपने अपने वक्तव्य में आयुर्वेद का स्वर्णिम इतिहास एवं उससे जुड़े विभिन्न लाभों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया।

आपने बतलाया कि कैसे हमारे आसपास मौजूद प्राकृतिक चीजें जैसे पेड़ पौधे, फूलों एवं आहार को औषधिय के रूप में हम किस प्रकार सेवन कर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं, एवं अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कैसे बढ़ा सकते हैं। कोरोना जैसे भयानक वायरस से कैसे बचें इसका घरेलू प्रयोग आपने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ लोकेश कुमार लद्धानि द्वारा किया गया।





